उत्तर प्रदेश

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव

ई संदेश

27 नवंबर 2025|अंक 181

सात दिन-सात पृष्ठ

ध्वज पताक तोरन पुर छावा। कहि न जाइ जेहि भाँति बनावा॥
सुमनबृष्टि अकास तें होई। ब्रह्मानंद मगन सब लोई॥

- न्यायाधीशों का यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आपसी डायलॉग का एक माध्यम है: मुख्यमंत्री
- आधी आबादी के कार्यों को मान्यता देने के लिए फिक्की फ्लो जैसे संगठन सामने आएं: मुख्यमंत्री
- पुलिस झंडा दिवस 23 नवंबर 2025
- युवा संकल्प अगर जाग जाए, तो इतिहास बदल जाता है और युग परिवर्तन हो जाता है, वर्तमान तेजस्वी तथा भविष्य अजेय हो जाता है: मुख्यमंत्री
- जब कोई देश अपने संविधान की मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए आगे बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई ताकत नहीं रोक सकती: मुख्यमंत्री
- विविध
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक द्वारा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा के पुनर्स्थापन कार्यक्रम में उ0प्र0 की राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष सम्मिलित हुए।
- अयोध्याधाम में धर्मध्वजा का पुनर्स्थापन

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

न्यायाधीशों का यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आपसी डायलॉग का एक माध्यम है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21 नवंबर, 2025 को यहाँ सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने हर समस्या के निराकरण के लिए विश्व स्तर पर सभी देशों को एकजुट होकर समाधान करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारत का मूल सिद्धान्त है। भारत हजारों वर्षों से पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया के लिए वर्तमान जलवायु परिवर्तन की चुनौती के समाधान का रास्ता भारत की सोच के माध्यम से निकाला जा सकता है।

आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की समस्या नहीं है। यह दुनिया की समस्या है। पूरे विश्व को मिलकर उसके समाधान का मार्ग निकालना पड़ता है। दुनिया में इन समस्याओं के समाधान का मार्ग निकले। दुनियाभर के न्यायाधीश जब इस इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एकत्र हुए हैं, तो न्याय मानवता की समस्या का समाधान कैसे निकाल सकता है। इस बारे में इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक संदेश दुनियाभर में देने की आवश्यकता है। न्याय न केवल समता का, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलम्बन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे सामने इमर्जिंग टेक्नोलॉजी जीवन को सरल और सहज करने में उपयोगी भूमिका का निर्वहन कर रही है। इसके द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व कानूनी चुनौतियाँ भी हम सभी के सामने खड़ी हैं। इनके माध्यम से साइबर क्राइम, डेटा चोरी सहित अन्य प्रकार की नयी समस्याएँ दुनिया के समक्ष हैं। ऐसे अस्थिर समय में न्याय, नैतिकता और अन्तरराष्ट्रीय कानून, विश्व शान्ति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण

भूमिका का निर्वहन कर सकता है।

ख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जब हम यहां विचार करने के लिए एकत्र हुए हैं, तो हमें यूनाइटेड नेशन्स (यू0एन0) की उस घोषणा को भी स्मरण करना होगा, जिन्होंने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के बारे में दुनिया के राष्ट्रों से आह्वान किया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यू0एन0 ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि व जल संसाधन, रोजगार व कौशल विकास, पर्यावरण व वन सम्पदा की रक्षा सहित 16 सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को विभिन्न राष्ट्रों के समक्ष रखा था। इसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। हमें विश्व के 250 करोड़ से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उन्हें बस्ते के बोझ से उत्पन्न डिप्रेशन को दूर करने हेतु विचार करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह सम्मेलन आपसी डायलॉग का एक माध्यम है। मानवता को बढ़ावा देने एवं विश्व में अशान्ति और अराजकता का वातावरण उत्पन्न करने वाले कारकों पर विचार करने के उद्देश्य से दुनिया के न्यायविद् यहां एकत्रित हुए हैं। व्यक्ति, समाज या राष्ट्र स्तर पर डायलॉग की स्थापना मैन-टू-मैन, सोसाइटी-टू-सोसाइटी, कण्ट्री-टू-कण्ट्री स्थापित तभी हो सकती है, जब हम शिक्षा के मूल भाव पर विचार करेंगे। लेकिन आज भी यह एक चुनौती बनी हुई है। विश्व में जहां अशान्ति, अराजकता तथा वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की सम्प्रभुता में हस्तक्षेप करने की होड़ हो, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इसलिए इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें यू0एन0 द्वारा 80 वर्ष पूर्व द्वारा की गई घोषणाओं पर एक बार पुन: विचार करना चाहिए। यू0एन0 द्वारा उस समय कहा गया था कि दुनिया को एक न्यायपूर्ण, समावेशी, जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। उस घोषणा की सार्थकता आज भी बनी हुई है। आज हमारी आवश्यकता है कि हम केवल उन पुरानी बातों तक सीमित न रहें, बल्कि वर्तमान की ज्वलन्त समस्याओं के सम्बन्ध में भी विचार करते हुए जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यू0एन0 जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। एक ऐसे व्यावहारिक एवं उद्देश्यपरक गठबन्धन को जो और भी प्रभावी हो सके, इसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में हमें भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर भी विचार जरूर करना चाहिए, जहाँ पर हमने इस पूरी व्यवस्था को 05 अवयवों (पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश) की उपासना को आधार मानकर भारत की परम्परा को अपने जीवन का हिस्सा मानकर इनकी पवित्रता, सुरक्षा, संरक्षण को सदैव प्राथमिकता दी।

आधी आबादी के कार्यों को मान्यता देने के लिए फिक्की फ्लो जैसे संगठन सामने आएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21 नवम्बर, 2025 यहां फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इण्टरस्टेट मीट में सम्मिलित होकर गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधी आबादी आगे बढ़ेगी, तो समाज आगे बढ़ेगा। आधी आबादी आत्मनिर्भर होगी, तो देश और प्रदेश आत्मनिर्भर होगा। आधी आबादी विकसित भारत के लक्ष्य को प्रात करने के लिए संकल्पित होगी, तो भारत को विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता। यही है, उत्तर प्रदेश सरकार का मिशन शक्ति अभियान, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उनके स्वावलम्बन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज आत्मनिर्भर तभी होता है, जब फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन जैसे संगठन लीड करते हैं और सरकार उन्हें सपोर्ट करती है, तब विकास और आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बेहतर प्रदर्शन के साथ सुनिश्चित करने में फिक्की फ्लो कार्य करे। फिक्की फ्लो संगठन इण्डस्ट्री में ट्रेनिंग के साथ-साथ महिलाओं को स्किलफुल बनाने में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। हर छोटा-बड़ा कार्य अपने आप में एक उद्यम है, जिसमें व्यक्ति अपनी बुद्धि, विवेक व श्रम का बेहतर उपयोग कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले विमेन वर्कफोर्स 12 से 13 प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 35 से 36 प्रतिशत हो गया है। विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा व्यवस्था व शिक्षा क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर को सरकार द्वारा मजबूत करने का कार्य किया है। फिक्की फ्लो स्कूली बच्चों के ड्रॉप आउट रेट को न्यूनतम स्तर पर लाने की दिशा में अपना योगदान कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने महिला सामर्थ्य का उल्लेख करते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र में कार्यरत बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन महिला सशक्तिकरण का सफलतम उदाहरण है। आज 62 हजार से अधिक महिलाएं बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाईजेशन से जुड़ी हुई हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाईजेशन की तर्ज पर आगरा, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर में नये मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाईजेशन स्थापित किये जा रहे हैं। महिलाएं इन संस्थाओं से जुड़कर आर्थिक स्वावलम्बन के मार्ग पर अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधी आबादी के सामने उनके कार्यों को मान्यता देने की सबसे बड़ी चुनौती है। फिक्की फ्लो जैसे संगठन सामने आएंगे, तो हर कोई महिलाओं के कार्यों को मान्यता देगा। महिलाओं को रेडीमेड गारमेण्ट्स के क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री मॉडल के माध्यम से आगे बढ़ाने में फिक्की फ्लो कार्य कर सकता है। प्रदेश में प्लेज पार्क योजना संचालित की जा रही है, जिसमें प्राइवेट पार्टी को 10 एकड़ से 50 एकड़ क्षेत्रफल में अपना उद्यम स्थापित करने के लिए सरकार प्रति एकड़ की दर से सब्सिडी उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में अब तक 12 प्लेज पार्क स्थापित हुए हैं, जो सरकार के सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर चुके है। फिक्की फ्लो भी इस दिशा में कार्य कर सकता है और महिला उद्यमियों को आगे बढ़ा सकता है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए गारण्टी मुक्त व ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करा रही है। इस योजना के अन्तर्गत पहले चरण में 05 लाख रुपये, दूसरे चरण में साढ़े सात लाख रुपये और तीसरे चरण में 10 लाख रुपये तक लोन उपलब्ध कराया जाएगा। अब तक लगभग 01 लाख युवा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। इस वित्तीय वर्ष में 01 लाख 70 हजार नये युवाओं को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य है। फिक्की फ्लो संगठन, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जुड़कर कार्य कर सकता है।

राज्य सरकार ने श्रम कानूनों में भी व्यापक रिफॉर्म किये हैं। पहले महिला केवल एक शिफ्ट में कार्य कर सकती थी अर्थात वह रात्रि में कार्य नहीं कर सकती थी। हमनें व्यवस्था सुनिश्चित की है कि जितनी सशक्त भागीदारी पुरुषों की है, उससे अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी महिलाओं की है। आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में समाज को लीड कर रही हैं। कुछ क्षेत्रों में तो महिलाएं ही प्रदर्शन कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि फिक्की फ्लो केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जुड़कर महिलाओं के सशक्तीकरण को और बढ़ाने में अपना सक्रिय योगदान कर सकता है। प्रदेश सरकार ने युवाओं को न्यू एज कोर्सेज की ट्रेनिंग देने के लिए हर जनपद में हब एण्ड स्कोप मॉडल पर वोकेशनल सेण्टर और स्किल डेवलेपमेण्ट सेण्टर स्थापित किए हैं। फिक्की फ्लो स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में सरकार के साथ कोई एम0ओ0यू0 करता है, तो हमें प्रसन्नता होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में महिला सुरक्षा के लिए 44 हजार से अधिक महिला पुलिस कार्मिक कार्यरत हैं। 10 हजार से अधिक महिला पुलिस कार्मिक, महिला बीट पुलिस अधिकारी के रूप में अलग-अलग स्थानों पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। वह महिलाओं व बालिकाओं से घर के अन्दर व बाहर की सुरक्षा के सम्बन्ध में संवाद करती हैं और केन्द्र व राज्य सरकार की महिला स्वावलम्बन व सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी भी उपलब्ध कराती हैं।

महिलाओं व बेटियों को सुरक्षा हर हाल में मिलनी चाहिए। महिलाओं व बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत त्वरित कार्यवाही की जा रही है। हर महिला को सम्मान मिलना चाहिए। महिलाओं को कामकाजी बनना होगा। कृषि, उद्यमिता, सेवा क्षेत्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के कार्य करने के सुगम अवसर उपलब्ध हैं। नये-नये एफ0पी0ओ0 व स्टार्टअप स्थापित हो रहे हैं। आज प्रदेश में 16 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं, जिन्हें अधिकांश महिलाएं संचालित कर रही हैं। फिक्की फ्लो संगठन इन महिलाओं को अपने साथ जोड़े।

पुलिस झंडा दिवस 23 नवंबर 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 23 नवम्बर, 2025 को अपने सरकारी आवास पर पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण 23 नवम्बर, 2025 को मुख्यमंत्री आवास पर पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर झण्डा लगाते हुए।

युवा संकल्प अगर जाग जाए, तो इतिहास बदल जाता है और युग परिवर्तन हो जाता है, वर्तमान तेजस्वी तथा भविष्य अजेय हो जाता है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 नवम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में आयोजित भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वें राष्ट्रीय जम्बूरी में उत्तर प्रदेश संध्या एवं ड्रोन शो का उद्घाटन किया। 19वें राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन यहां 23 से 29 नवम्बर, 2025 तक किया जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजन में सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवा संकल्प अगर जाग जाए, तो इतिहास बदल जाता है और युग परिवर्तन हो जाता है। जब किसी राष्ट्र का युवा जाग्रत होता है, तो उसका वर्तमान तेजस्वी होता है और उसका भविष्य अजेय हो जाता है। युवाओं के समक्ष स्वामी विवेकानन्द, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, मेजर ध्यानचंद जैसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्होंने यह सिद्ध किया है कि आयु कभी इतिहास बनाने में बाधा नहीं बनती।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह अत्यन्त महत्वपूर्ण आयोजन है, क्योंकि यह आयोजन उत्तर प्रदेश की धरती पर 61 वर्षों के बाद हो रहा है। इससे पूर्व, उत्तर प्रदेश में वर्ष 1964 में जम्बूरी का आयोजन किया गया था। उत्तर प्रदेश असीमित क्षमताओं का प्रदेश है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का सबसे अधिक युवा उत्तर प्रदेश में ही निवास करता है। युवा यदि अपने उद्देश्यों को पूरा करने में संकल्पों के साथ जुड़ जाए और प्रयास करे, तो कुछ भी असम्भव नहीं। भारत की ऊर्जा आज एक नई दिशा में जा रही है। विगत 11 वर्षों में भारत बदलता हुआ दिखा है। यह बदलता हुआ भारत आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक भी है और श्रेष्ठ भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्काउटिंग केवल खेल या अभ्यास नहीं है। यह केवल यूनिफॉर्म तक सीमित नहीं, बल्कि यह चरित्र और सेवा पर आधारित एक जीवन पद्धति भी है। आज दुनिया के 170 से अधिक देशों में स्काउट्स एण्ड गाइड्स के विचार को आगे बढ़ने का कार्य किया जा रहा है। स्काउट्स एण्ड गाइड्स नई तकनीक और चुनौतियों के बीच तेजी से बदलती हुई दुनिया और युवा पीढ़ी के कौशल के साथ-साथ चरित्र निर्माण तथा जिम्मेदारियों को लेने और उद्देश्यपूर्ण जीवन के लिए तैयार करने का एक सक्षम मंच है। विकसित युवा विकसित भारत, आत्मनिर्भर और स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एंड सस्टेनेबल भारत केवल नारे नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत का संकल्प हैं। इस संकल्प का सबसे शक्तिशाली स्तम्भ हमारे युवा हैं।

उन्होंने कहा कि19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन में आधुनिकता, प्रबन्धन, संस्कृति का वैश्विक समन्वय स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यहां ग्रीन कैम्पस, मेडिकल की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, ग्लोबल विलेज, एडवेंचर जोन और सांस्कृतिक मिलन जैसी उत्तर प्रदेश की नई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर रखने का एक लघु प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 19वीं जम्बूरी का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति प्रेम के साथ जोड़ना, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना, स्वच्छता के प्रति विशेष ध्यान देना, राष्ट्रीय एकता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार करना है। अगर हम मिलकर यह कार्य करते हैं, तो देश के सामने कोई चुनौती नहीं रह पाएगी। 19वीं जम्बूरी की थीम 'विकसित भारत, विकसित युवा' है। भारत तभी विकसित होगा, जब वह आत्मनिर्भर होगा। जब युवा ऊर्जा, आत्मनिर्भरता व स्वावलम्बन की ओर अग्रसर होंगे। विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का कार्य हम सभी को मिलकर करना होगा। सफलता तब प्राप्त होती है, जब सामूहिकता होती है। टीम भावना, अनुशासन व अपने नेतृत्व पर विश्वास कर हमें आगे बढ़ना होगा।

जब कोई देश अपने संविधान की मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए आगे बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई ताकत नहीं रोक सकती: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 26 नवम्बर, 2025 को यहां लोक भवन लखनऊ में संविधान दिवस पर उपस्थित महानुभावों को भारत के संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस अवसर पर उन्होंने संविधान के आदर्शों पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। समारोह पूर्वक संपन्न कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धान्जलि दी। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत के संविधान को अंगीकृत किए जाने के अमृत महोत्सव का समारूप है। वर्ष 2015 से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से पूरा देश 26 नवम्बर की तिथि को संविधान दिवस के रूप में आयोजित करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत सौभाग्यशाली है कि यहां के नागरिकों ने संविधान को सर्वोपरि मान कर सदैव इसका सम्मान किया है। स्वाधीनता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों के प्रति आदर भाव प्रदर्शित करते हुए संविधान की मूल भावनाओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया है। जब कोई देश अपने संविधान की मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए आगे बढ़ता है, उसे विकसित होने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना होगा। जो व्यक्ति जिस क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उसे उस क्षेत्र में पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी की अध्यक्षता में संविधान सभा ने भारत के संविधान का निर्माण किया था। संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। संविधान के निर्माण में 02 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे। स्वाधीनता संग्राम सेनानियों के योगदान तथा संविधान विशेषज्ञों के सहयोग के परिणामस्वरूप भारत की अनेकता को एकता में परिवर्तित करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा संविधान बना। हम सभी को अपने संविधान पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि संविधान एक ऐसा दस्तावेज है, जो भारत की विविधता को एकता में परिवर्तित करने में सदैव मार्गदर्शिका के रूप में देश का नेतृत्व करेगा। वर्तमान में संविधान लागू होने का अमृत महोत्सव वर्ष चल रहा है। संविधान अंगीकृत किए जाने के अमृत महोत्सव वर्ष का समारोह आज यहां पर आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक संस्था व पंचायत में इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2015 में संविधान दिवस पर पूरे देशवासियों को इस बात के लिए प्रेरित किया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अक्सर होता है कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक होने के बावजूद स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत को विस्मृत किए जा रहा है। क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को अपनी आंखों से नहीं देखा। अंग्रेजों की क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने अधिकार की बात करता है। अधिकार तब संरक्षित व सुरक्षित होते हैं, जब हम स्वयं अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की आदत डालें। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जिन देशों में लोगों ने कर्तव्य के बगैर अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया है, वहां लोकतंत्र नहीं है। वहां कोई न कोई तानाशाह पूरी व्यवस्था को अपनी गिरफ्त में लेकर वहां के आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदता हुआ दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत की संकल्पना रखी थी। प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि जब यह देश अपनी आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करेगा, तब हमें कैसा भारत चाहिए, इस पर प्रत्येक भारतवासी को मनन करना होगा। यदि हमें विकसित और आत्मनिर्भर भारत चाहिए, तो प्रत्येक भारतवासी को दायित्वों का एहसास दिलाने वाले पंचप्रण से जुड़ना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश का विकसित होना तथा विकसित उत्तर प्रदेश के लिए लखनऊ का विकसित होना आवश्यक है। गत विधान मण्डल सत्र के दौरान इस मुद्दे पर 24 घन्टे चर्चा की गयी थी। प्रदेश सरकार ने इस सम्बन्ध में जनता के सुझाव प्राप्त करने के लिए पोर्टल लॉन्च किया। विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश के लिए शिक्षा, हेल्थ, एम्प्लॉयमेन्ट, स्किल डेवलपमेन्ट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, एग्रीकल्चर, इन्वेस्टमेन्ट, सिक्योरिटी आदि क्षेत्रों में अब तक 98 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। यह चीजें दिखातीं हैं कि व्यवस्था के साथ प्रत्येक व्यक्ति जुड़ना चाहता है। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि कुछ अच्छा परिवर्तन हो। 98 लाख लोगों का तात्पर्य प्रत्येक पांच परिवारों में से एक परिवार ने हमें सुझाव भेजा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आत्मनिर्भरता की शुरुआत हमें सबसे छोटी इकाई से प्रारम्भ करनी होगी। यदि ग्राम पंचायत व वॉर्ड आत्मनिर्भर होगा, तो जनपद, प्रदेश व देश भी आत्मनिर्भर हो जाएगा। यदि भारत आत्मनिर्भर होगा, तो विकसित भारत की संकल्पना हमसे दूर नहीं हो सकती है।

विविध

राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21नवंबर , 2025 को राजभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

झारखंड के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार जी से
मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने 22 नवंबर 2025 को जनपद लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से दिनांक 26 नवंबर 2025 को लखनऊ में डॉ. धनसिंह रावत केबिनेट मंत्री, उत्तराखंड सरकार ने शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 25 नवंबर,2025 को सिख पंथ के नौवें गुरु, 'हिन्द दी चादर' गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस पर लखनऊ में आयोजित 'विशेष गुरुमति समागम' में सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक द्वारा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा के पुनर्स्थापन कार्यक्रम में उ0प्र0 की राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ0 मोहनराव भागवत ने 25नवम्बर, 2025 को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर, विधिवत मंत्रोच्चार के साथ धर्मध्वजा का पुनर्स्थापन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास जी महाराज उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भगवान श्रीराम मन्दिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा तथा श्रीराम परिवार का दिव्य प्रताप धर्म ध्वजा के रूप में इस दिव्यतम व भव्यतम मंदिर में प्रतिस्थापित हुआ है। यह केवल एक धर्म ध्वजा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हमारे श्रीराम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं। उन्हें शक्ति नहीं सहयोग महान लगता है। आज हम भी उसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। विगत 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा सहित प्रत्येक वर्ग को विकास के केन्द्र में रखा गया है। जब देश का प्रत्येक व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। जब वर्ष 2047 में देश आ जा दी के 100 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मना रहा होगा, तब तक हमें सम्मिलित प्रयास से विकसित भारत का निर्माण करना होगा।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता के कारण इतने वर्षों तक रामत्व को नकारा गया। भगवान श्रीराम स्वयं में एक वैल्यू सिस्टम हैं। ओरछा के राजा राम से लेकर, रामेश्वरम के भक्त राम तक, और शबरी के प्रभु श्रीराम से लेकर, मिथिला के पाहुन राम जी तक, भारत के प्रत्येक घर, प्रत्येक भारतीय के मन और भारतवर्ष के प्रत्येक कण में श्रीराम हैं। लेकिन गुलामी की मानसिकता इतनी हावी हो गई कि प्रभु श्रीराम को भी काल्पनिक घोषित किया जाने लगा। यदि हम ठान लें तो अगले दस वर्षों में मानसिक गुलामी से पूरी तरह मुक्ति प्राप्त कर लेंगे, और तब जाकर ऐसी ज्वाला प्रज्जवलित होगी, ऐसा आत्मविश्वास बढ़ेगा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा होने से भारत को कोई रोक नहीं पाएगा।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भविष्य की अयोध्या में पौराणिकता और नूतनता का संगम होगा। सरयू जी की अमृत धारा और विकास की धारा एक साथ बहेंगी। यहां अध्यात्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दोनों का तालमेल दिखेगा। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट व शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ रही हैं। अयोध्यावासियों को सुविधाएं दिलाने व उनके जीवन में समृद्धि लाने के लिए निरन्तर काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रभु श्रीराम का यह भव्य मन्दिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान और आत्मगौरव का प्रतीक है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मन्दिर पर ध्वजारोहण एक नये युग का शुभारम्भ है। यह केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य, न्याय, राष्ट्र धर्म तथा विकसित भारत की संकल्पना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में हम सभी ने बदलते हुए भारत को देखा है। हम एक नये भारत का दर्शन कर रहे हैं। विरासत और विकास का बेहतर समन्वय देश को अप्रतिम ऊंचाई प्रदान कर रहा है।देश में 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन, 50 करोड़ लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, प्रत्येक जरूरतमन्द को आवास तथा प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त होना रामराज्य की उस उद्घोषणा का प्रतीक है, जिसका आधार विकसित भारत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 500 वर्षों में देश में अनेक साम्राज्य व पीढ़ियां परिवर्तित हुईं, किन्तु आस्था अडिग व अचल रही। जन-जन का विश्वास अटल था। आज प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में अयोध्या आज उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। प्रभु श्रीरामलला की यह पावन नगरी आस्था व आधुनिकता, आस्था एवं अर्थव्यवस्था के एक नये युग में प्रवेश कर चुकी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां धर्म पथ, राम पथ, भक्ति पथ, पंचकोसी, चौदह कोसी व चौरासी कोसी परिक्रमा श्रद्धालुओं और भक्तों की आस्था को सम्मान प्रदान कर रही है। यहां महर्षि वाल्मीकि के नाम पर स्थापित अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हम इस नयी अयोध्या का दर्शन देश की पहली सोलर सिटी व सस्टेनेबल स्मार्ट सिटी के रूप में कर रहे हैं।

अयोध्याधाम में धर्मध्वजा का पुनर्स्थापन

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित